वी.यू. में 29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। आज दिनांक 05 फरवरी 2020 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में त्रि–दिवसीय 29 वीं राष्ट्रीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विषय **''बदलती जलवायु के साथ पशुधन और मुर्गीयों के परजीवी रोगों को नियंत्रित करने में चुनौतीयाँ और नवाचार''** है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय डॉ. एच.रहमान, क्षेत्रीय प्रतिनिधि–साऊथ एशिया, आई.एल.आर.आई., नई दिल्ली डॉ. सरमन सिंह, माननीय निर्देशक, एम्स, भोपाल, डॉ. के. देवाडू, अध्यक्ष, आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी, डॉ. ए. संगरन, महासचिव, आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी, भारत के विशिष्ठ आतिथ्य एवं माननीय प्रोफेसर डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में हुआ। इस कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता, कार्यक्रम सचिव डॉ. गिरिधारी दास, विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख, पशु परजीवी विज्ञान विभाग के समन्वित प्रयासों से आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. गिरिधारी दास के उद्बोधन से शुरू हुआ, जिसमें उन्होनें इस आयोजन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुये कहा कि इस उन्तीसवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के लगभग सभी विभिन्न राज्यों से लगभग 300 से ज्यादा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें विभिन्न विषयों के शिक्षाविद, प्राध्यापक, अनुसंधानकर्त्ता, विषय वस्तु विशेषज्ञ इस संगोष्ठी के अंतर्गत शिक्षाविदों द्वारा लीड पेपर्स (अग्रणी शोधपत्रों) का पाठन होगा, तथा शोध पत्रों का वाचन होगा। इस संगोष्ठी में 06 तकनीकि सत्रों के दौरान शोध पत्रों के वाचन विभिन्न तकनीकी सत्रों के अंतर्गत किया जावेगा, साथ ही प्रत्येक सत्र में अलग से वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किये हुये शोध कार्यों को पोस्टर द्वारा भी प्रदर्शित किया जावेगा, ताकि पशुओं एवं मुर्गीयों के परजीवी रोगों के नियंत्रण से संबंधित नई–नई खोज की जानकारी प्राप्त हो सके।

इस संगोष्ठी के आयोजन से बहुआयामी विषय वस्तु विशेषज्ञों, शोध कर्ताओं एवं प्रख्यात वैज्ञानिकों को एक छत के नीचे एकत्रित होकर दुधारू पशुओं व मुर्गीयों के परजीवी रोग चिकित्सा, पालन, देख–रेख, रोग, बचाव, व्यवस्थापना, स्वच्छता, निरोगिता आदि से संबंधित समस्याऐं व सुझावों

हेतु सभी का समागम होगा। संगोष्ठी के अंत में संपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा कर अनुशंसायें तैयार की जावेंगी।

इस कार्यक्रम की श्रंखला में जहाँ आई.ए.ए.व्ही.पी. डॉ. के. देवाडू के अध्यक्षीय उद्‌बोधन के साथ, डॉ. ए. संगरन, महासचिव ने आई.ए.ए.व्ही.पी. सोसायटी की विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

तदोपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय पशुधन और मुर्गीयों के परजीवी रोग नियंत्रण पर राष्ट्रीय कांग्रेस की स्मारिका व अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया गया। साथ ही इस कार्यक्रम सोसायटी के अलंकरणों से (शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हों) डॉ. व्ही.के. सहस्त्रबुद्धे, डॉ. एम. सी. अग्रवाल एवं डॉ. एच.ओ.पी. श्रीवास्तव आदि को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की कड़ी में अधिष्ठाता व चैयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने अपने उद्‌बोधन के दौरान सभी का स्वागत वंदन एवं अभिनंदन करते हुये कहा कि वर्तमान परिवेश में पशुओं एवं मुर्गीयों के परजीवी रोगों को नियंत्रित करने में चुनौतियों एव नवाचार विषय पर विस्तृत जानकारियों से अवगत कराया। संगोष्ठी में सम्मिलित अतिथियों, विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, संचालकगण, संगोष्ठी के प्रतिभागियों, व प्राध्यापकों एवं अलंकरणों से सम्मानित प्रतिभागियों को बधाई प्रेषित की।

इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. एच.रहमान जी ने प्रकाश डालते हुये कहा कि संगोष्ठी एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोध, परजीवी वैक्सीन विकास, ग्लोबल वार्मिंग, उभरते और मौजूदा परजीवी जूनोज आदि से संबंधित चुनौतीपूर्ण मुद्‌दों को संबोधित करेगी। संगोष्ठी भारत और मध्य प्रदेश में किसान स्तर परजीवी उत्पीड़न को कम करने के लिए रूपरेखा विकसित करने में मदद करेगी। आपने ने उद्‌बोधन में खाद्य एवं पशु पोषण, उत्कृष्ट आजीविका, जलवायु परिवर्तन एवं उपलब्ध संसाधनों का पशुधन उत्पादन में महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की श्रंखला में आई.ए.ए.व्ही.पी. फैलो एवं ओरेशन पुरूस्कार से सोसायटी का लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड– डॉ. पी.के.सन्याल, श्री एस.एम. स्माइल ओरेशन अवार्ड– डॉ. एम शंकर, डॉ. एन.एस. रूपर्स ओरेशन अवार्ड– डॉ. अनीश यादव, श्री करीर एक्सीलेंस अवार्ड– डॉ जैथी लंकन, डॉ. डी.पी. बनर्जी ओरेशन आवार्ड– डॉ एस. गौरीशंकर एवं बेस्ट आर्टिकल जनरल ऑफ पेरासिटोलॉजी अवार्ड– डॉ. एस. गौरीशंकर को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रोफसर डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, माननीय कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर को आई.ए.ए.व्ही.पी. अप्रिशिएसन अवार्ड से अलंकृत किया गया।

माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुये बताया कि पूरे भारत वर्ष से उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं 300 से अधिक प्रतिभागी वैज्ञानिकों ने इस संगोष्ठी में अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को शोभायमान किया। साथ ही आपने बताया कि यह महाविद्यालय सन् 1948 से संचालित हो रहा है, तथा यह विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों:– शैक्षणिक अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों पर सतत् रूप से प्रयासरत् है। निकट भविष्य में

इस विश्वविद्यालय में दो डेयरी साइंस एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय क्रमशः जबलपुर एवं ग्वालियर तथा दो वेटनरी पॉलीटेक्निक (पत्रोपाधि पाठ्यक्रम) महाविद्यालयों की स्थापना क्रमशः जिला मण्डला व रायसेन में होने जा रही है। इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य सन् 2050 तक पशु उत्पादन में दो गुनी वृद्धि किया जाना आपेक्षित है। वर्तमान में पशुधन उत्पादन से 17 किलो कैलोरी की खपत हो रही है और पशुधन उत्पादन जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित भी हो रहा है। पशु उत्पादन की क्रांति न केवल भारतवर्ष वरन् विश्व स्तर पर क्रियाशील है। मेरा लक्ष्य था कि मैं अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के चहूमंखी विकास के कार्यो के साथ–साथ 29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस का पशु परजीवी और राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन करा सकूं जो कि आप सभी के समन्वित प्रयास से सफलतापूर्वक आयोजित है।

कार्यक्रम की श्रखंला के अगले चरण में 29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ वेटरनरी पैरासिटोलॉजी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. जॉयसी जोगी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रीनेश कुमार द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागणों, संचालकों, प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों एवं संस्कारधानी के प्रेस व इलेक्ट्रानिक के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

29 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ वेटरनरी पैरासिटोलॉजी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)